दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

हैदराबाद गजट की सिफारिशों को लागू करने के संबंध में मसौदा को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा

न्यायालयीन कसौटी पर टिकने वाला निर्णय लेने पर जोर दिया जा रहा है-राधाकृष्ण विखेपाटील

मुंबई से जमीर काजी की रिपोर्ट
इसके लिए विधि विशेषज्ञों और महाधिवक्ता के साथ विस्तृत चर्चा चल रही है, और ऐसा निर्णय लेने पर जोर दिया जा रहा है जो न्यायालयीन कसौटी पर खरा उतरे। यह जानकारी उपसमिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण विखे-पाटील ने सोमवार को पत्रकारों को दी। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे पाटील के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन का समाधान निकालने के लिए राज्य सरकार द्वारा तेजी से कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक के बाद विखे-पाटील ने कहा, हैदराबाद गजट की सिफारिशों को लागू करने के लिए मसौदा जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। न्यायालयीन कसौटी पर टिकने वाला निर्णय लेने पर जोर दिया जा रहा है। हालांकि, मुंबई उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका के कारण प्रक्रिया में थोड़ी देरी हुई है।

दैनिक भारत कि तामीर
01 Sep 2025 - Page 1 | www.dailytameer.com | Editor : Qazi Makhdoom - 9270574444
Powered by softisky | 9764331134
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin
बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-१० वा सोमवार १ सितम्बर २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

मुंबई पर मराठा आंदोलन: मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में यल्गार और हैदराबाद निज़ाम के रिकॉर्ड का महत्व

लेखक: क़ाज़ी मखदूम
मुंबई: महाराष्ट्र की सामाजिक और राजनीतिक जमीन पर एक बार फिर मराठा आरक्षण की लहर उठ रही है, और इसकी अगुआई बीड ज़िले के गेवराई तालुका के मनोज जरांगे पाटिल कर रहे हैं। यह यल्गार (आंदोलन) मुंबई को ठप कर चुका है, जहां हज़ारों मराठा समर्थक आज़ाद मैदान में जमा हुए हैं। मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल तीसरे दिन में प्रवेश कर चुकी है। यह आंदोलन केवल एक राजनीतिक मांग नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक जड़ों से जुड़ा हुआ है, जिसमें हैदराबाद की निज़ाम सरकार के पुराने रिकॉर्ड्स को आधार बनाया जा रहा है। आइए, समझते हैं कि यह सब क्यों और किस लिए हो रहा है।

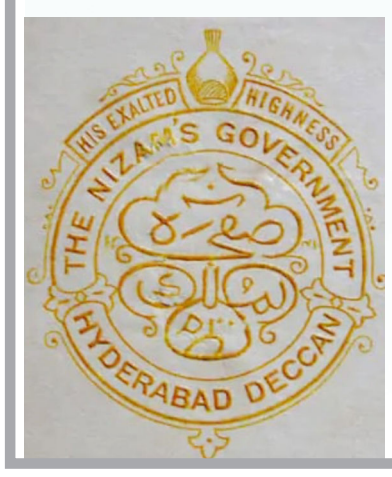

दैनिक भारत कि तामीर
01 Sep 2025 - Page 1 | www.dailytameer.com | Editor : Qazi Makhdoom - 9270574444
Powered by softisky | 9764331134
SINCE: 2001 WITH POSITIVE VALUES
TAMIR -E- SIASAT
Editor in chief :Quazi Makhdoom 9270574444 Tameerurdu@gmail.com
RNI.NO.MAHURD/2017/72712 Vol:08 / Issue : 234 Monday 1st September 2025 / Rs.2 / Pages: 4 www.dailytameer.com

مہربان تھے نظام سرکار، ممبئی میں جرنگے کا پاٹل اقرار،
مراٹھوں کو نظام گزٹ کے مطابق مراعات دینے کا مطالبہ

चॉईस मेडिकल & जनरल स्टोर्स
جوائس میڈیکل اینڈ جنرل اسٹورس
Tameer Exports
Vegetables, Fruits, Rice, Sugar, Pulses
www.tameerexports.com

दैनिक तामीर की भूमिका

दैनिक तामीर हिंदी ने हैदराबाद गजित की सिफारिशों को विस्तार से प्रस्तुत किया, जिसे महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधियों ने सराहा। यह सकारात्मक पहल सरकार और आंदोलनकारियों के बीच संवाद को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई है।महाराष्ट्र सरकार हैदराबाद गजट की सिफारिशों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में तेजी से काम कर रही है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले तीन दिनों से आंदोलनकारियों की मांगों के संबंध में विभिन्न विधि विशेषज्ञों के साथ चर्चा चल रही है। आंदोलन के दूसरे दिन न्यायमूर्ति संदीप शिंदे और हमारे अधिकारी आंदोलन स्थल पर गए थे। उनका ज्ञापन भी प्राप्त हो चुका है। आज सुबह हुई बैठक में स्वयं मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री उपस्थित थे। इसके अलावा महाधिवक्ता और न्यायमूर्ति संदीप शिंदे भी मौजूद थे। बैठक का मुख्य ध्यान हैदराबाद गजट की सिफारिशों को लागू करने पर था। आज मुंबई उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर होने के कारण महाधिवक्ता को वहां जाना पड़ा। न्यायालय ने इस याचिका की सुनवाई के दौरान क्या निर्देश दिए हैं, इसे देखने के बाद महाधिवक्ता के साथ फिर से बैठक होगी। इसके बाद ही मसौदे को अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

हैदराबाद गजट की सिफारिशों के संदर्भ में दैनिक तामीर हिंदी की भूमिका:

कल दैनिक तामीर हैदराबाद गजट की सिफारिशों को विस्तार से प्रस्तुत किया था, जिसे महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधियों ने पढ़ा, समझा और इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। यह एक सकारात्मक पहल है, जो मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चल रहे आंदोलन और सरकार के बीच संवाद को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद गजित की सिफारिशों की अंमलबजावणी पर महाराष्ट्र सरकार

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे पाटील के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के समाधान के लिए महाराष्ट्र सरकार सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। हैदराबाद गजित की सिफारिशों को लागू करने के लिए मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उपसमिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण विखे-पाटील ने इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।

प्रमुख बिंदु:

मसौदे की प्रगति: हैदराबाद गजित की सिफारिशों को लागू करने के लिए मसौदा जल्द ही अंतिम रूप लेगा। विधि विशेषज्ञों और महाधिवक्ता के साथ सविस्तर चर्चा चल रही है ताकि निर्णय न्यायालयीन कसौटी पर टिक सके।

सरकारी प्रयास: मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श हुआ। न्यायमूर्ति संदीप शिंदे और अन्य अधिकारियों ने आंदोलन स्थल का दौरा कर आंदोलनकारियों का ज्ञापन प्राप्त किया।

न्यायालयीन बाधा: मुंबई उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका के कारण प्रक्रिया में थोड़ी देरी हुई है। महाधिवक्ता इस याचिका की सुनवाई के निर्देशों का अध्ययन कर रहे हैं, जिसके बाद मसौदे को अंतिम स्वरूप दिया जाएगा।

मुंबई की सभी सड़कें आजाद मैदान को छोड़कर खाली करें: हाई कोर्ट ने सरकार को फटकारा

आज फिर होगी सुनवाई

जमीर काजी
मुंबई: पिछले चार दिनों से मुंबई में आजाद मैदान और दक्षिण मुंबई के विभिन्न स्थानों पर डटे मराठा आंदोलनकारियों को लेकर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को कड़े शब्दों में फटकार लगाई।

कोर्ट ने कहा कि आंदोलन को संभालने में लापरवाही बरती गई है और आजाद मैदान को छोड़कर मुंबई की अन्य सभी सड़कों पर चल रहे आंदोलन को मंगलवार दोपहर १२ बजे तक हटाया जाए। साथ ही, भविष्य में मुंबई आने वाले आंदोलनकारियों को ठाणे और नवी मुंबई में ही रोकने के निर्देश दिए गए। बिना अनुमति के चल रहे इस आंदोलन के संबंध में बुधवार दोपहर को फिर से सुनवाई करने का भी न्यायमूर्ति घुगे ने स्पष्ट किया।

आरक्षण आंदोलन के खिलाफ हाई कोर्ट में वकील गुणरत्न सदावर्ते द्वारा दायर याचिका पर न्यायमूर्ति घुगे के समक्ष सुनवाई हुई। इस दौरान महाधिवक्ता वीरेंद्र सराफ, याचिकाकर्ता सदावर्ते और आंदोलनकारियों की ओर से वकील पिंगले और धुगे के तर्क सुने गए। इसके बाद कोर्ट ने सरकार को मुंबई की सड़कें खाली करने और आंदोलनकारियों को सड़कों से हटाने का आदेश दिया। साथ ही, आंदोलनकारियों को मुंबई में प्रवेश करने से रोकने और अगले दिन दोपहर ४ बजे तक यह कार्रवाई करने की हिदायत दी। न्यायमूर्ति घुगे ने कहा, आंदोलन के आयोजकों की जिम्मेदारी थी कि वे ५,००० से अधिक लोगों को न लाएं। मुंबई में आजाद मैदान के अलावा अन्य स्थानों पर उनका जमावड़ा नहीं होना चाहिए। सुबह ९ से शाम ६ बजे तक आजाद मैदान में अनुमति थी, लेकिन इसके बाद मैदान खाली करना जरूरी था, जो नहीं हुआ। ५,००० से अधिक लोगों की मौजूदगी में आंदोलन नहीं होना चाहिए, ताकि आम मुंबईकरों को परेशानी न हो। मुंबई के आम नागरिकों का जीवन सामान्य होना चाहिए। गणेशोत्सव के दौरान मुंबई में जाम नहीं होना चाहिए। इसलिए, आंदोलनकारियों को मुंबई में आने से रोकें और उन्हें बाहर ही रखें। कोर्ट ने सड़कों पर मौजूद आंदोलनकारियों को हटाने और अगले २४ घंटों में यह कार्रवाई करने के निर्देश दिए। यदि लाखों की संख्या में आंदोलनकारी मुंबई में बाहर से आ रहे हैं, तो उन्हें मुंबई की सीमा पर ही रोक दिया जाए। हालांकि, कोर्ट ने भोजन और पानी की सामग्री लाने के लिए अस्थायी अनुमति दी है। साथ ही, अगर जरांगे पाटील की तबीयत बिगड़ती है, तो उन्हें तत्काल उपचार दिया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि ५,००० लोगों को शर्तों के साथ रहने की अनुमति दी जाए, तो नियमों का पालन करना होगा। इस मामले में अब बुधवार दोपहर ४ बजे फिर से सुनवाई होगी। हालांकि, कोर्ट ने पुराने आदेशों को यथावत रखा है, जिससे राज्य सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकार ने आंदोलन के खिलाफ कोर्ट से आदेश प्राप्त करने की पूरी कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने आंदोलन करने के अधिकार को बरकरार रखा है।

सेल्फ़ी का नशा बना जानलेवा, लेकिन डॉ.मुजाहिद ने बचाई बाप-बेटी की ज़िंदगी

बीड संवाददाता १ सितंबर
आज के दौर में सेल्फ़ी का जुनून कई बार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। बीड़ के बिंदुसरा प्रकल्प पर रविवार को ऐसा ही एक हादसा होते-होते रह गया। महज़ १२ साल की मासूम बच्ची सेल्फ़ी लेने के चक्कर में पानी में जा गिरी। बेटी को बचाने के लिए पिता ने भी छलांग तो लगाई, मगर तैरना न आने के कारण दोनों की जान पर बन आई।

इसी नाज़ुक घड़ी में नामवर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. मुजाहिद मोमिन ने इंसानियत की मिसाल पेश की। बिना एक पल गँवाए उन्होंने पानी में छलांग लगाई और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनके इस साहसिक कदम ने एक परिवार को अंधकार में डूबने से बचा लिया।

जहां मौजूद तमाम लोग तमाशबीन बने हादसे से किनारा कर रहे थे, वहीं डॉ. मुजाहिद ने दिखा दिया कि असली मसीहाई क्या होती है। इस बहादुरी के लिए हर तरफ़ उनकी सराहना की जा रही है।

सेल्फ़ी के इस खतरनाक शौक़ पर समाज को अब ज़रूर सोचने की ज़रूरत है। तस्वीरें खींचने का जुनून अगर ज़िंदगी की क़ीमत पर चुकाना पड़े तो यह केवल लापरवाही ही नहीं बल्कि एक बड़ा अपराध है।

मराठा समाज को ओबीसी से आरक्षण देने का हमारा विरोध-मंत्री छगन भुजबळ की चेतावनी

आज से पूरे राज्य में उपवास और आंदोलन

जमीर काज़ी
मुंबई :
मराठा समाज को आरक्षण देने का हमें विरोध नहीं है। लेकिन यदि उन्हें ओबीसी से आरक्षण दिया गया तो ओबीसी की बीच की छोटी जातियों को भारी नुकसान होगा। इसलिए उन्हें स्वतंत्र आरक्षण देने का हमारा समर्थन है, परंतु ओबीसी से आरक्षण देने का हमारा विरोध हमेशा रहेगा। अगर सरकार ने ऐसा किया तो उसके खिलाफ फिर से ओबीसी की वज्रमूठ खड़ी करेंगे और लाखों की संख्या में हम मुंबई पहुंचेंगे, ऐसी चेतावनी राज्य के मंत्री छगन भुजबळ ने दी है।

मराठा आंदोलन की पृष्ठभूमि में राज्य के ओबीसी समाज के नेताओं की बैठक अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष भुजबळ की अध्यक्षता में आज मुंबई के सांताक्रूज़ में हुई। उस समय वे बोल रहे थे।

बैठक में ओबीसी बहुजन पार्टी के अध्यक्ष प्रकाश शेंडगे, समता परिषद के कार्याध्यक्ष समीर भुजबळ, विधायक पंकज भुजबळ, भटके विमुक्तों के विशेषज्ञ लक्ष्मण गायकवाड़, प्रा. लक्ष्मण हाके, तौलिक समाज के अध्यक्ष ईश्वर बाळबुधे, एड. मंगेश ससाणे, बंजारा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रा. पी.टी. चव्हाण, कुणबी समाज के अध्यक्ष दशरथ पाटील, बापूसाहेब भुजबळ, कुणबी सेना अध्यक्ष विश्वनाथ पाटील, जय मल्हार क्रांति संगठन के अध्यक्ष दौलतराव शितोळे, नवनाथ वाघमारे, डॉ. स्नेहा सोनकाटे, वंजारी समाज के नेता प्रा. सत्संग मुंढे, धनराज गुट्टे, बाळासाहेब कर्डक, लोणारी समाज के अध्यक्ष डॉ. सुदर्शन घेरडे, राष्ट्रीय विणकर समाज अध्यक्ष सुनील मेटे, मुकुंद सोनटक्के, मंजिरी धाडगे, दिलीप खैरे, सदानंद मंडलिक, प्रितेश गवळी, शंकरराव लिंगे, आरिफ काज़ी सहित ओबीसी और भटके विमुक्तों की विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर भुजबळ ने कहा, जस्टिस मारलापाले का एक उच्च न्यायालय का निर्णय है कि मराठा और कुणबी एक नहीं हैं। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया, वहां भी कोर्ट ने कहा कि मराठा समाज सामाजिक रूप से पिछड़ा नहीं है। इसलिए मराठा-कुणबी हों या कुणबी-मराठा, उन्हें ओबीसी में आरक्षण नहीं दिया जा सकता। कुछ वर्ष पूर्व आरक्षण के लिए महाराष्ट्र सहित देशभर में आंदोलन हुए। मराठा समाज, पाटीदार, जाट, गुर्जर, इन सभी समाजों ने आंदोलन किए। उस समय केंद्र सरकार ने ईडब्ल्यूएस का विकल्प सामने रखा और यह आरक्षण लागू किया। जब इस आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में केस गया तो केंद्र सरकार ने कहा कि इसमें आने वाले समाज सामाजिक रूप से पिछड़े नहीं हैं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर हैं, इसलिए यह आरक्षण टिक गया।

उन्होंने कहा, ईडब्ल्यूएस आरक्षण महाराष्ट्र में मराठा समाज को होते हुए भी महाराष्ट्र में कुछ नेता सुन नहीं रहे हैं और आंदोलन कर रहे हैं। इसलिए तत्कालीन मुख्यमंत्री ने एसईबीसी का विकल्प निकाला और स्वतंत्र १०% आरक्षण दिया गया। लेकिन फिर भी अब ओबीसी में आने के लिए आंदोलन किए जा रहे हैं। कई गज़ेट का उल्लेख किया जाता है, लेकिन अगर इन सभी गज़ेट को देखा जाए तो उनमें कुणबी और मराठा की स्वतंत्र गणना दर्ज है।

१९२१ के गज़ेट में मराठा - १४ लाख ७ हजार और कुणबी - ३४ हजार का उल्लेख है। उसके बाद १९३१ के गज़ेट में भी मराठा और कुणबी का अलग-अलग विवरण दर्ज है। ये सारे प्रमाण आज मैंने खुद मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को मिलकर दिखाए हैं।

अब हमें तैयारी करनी होगी। तहसीलदार और जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चे निकालकर 'ओबीसी के हिस्से में हिस्सेदार नहीं चाहिए' ऐसे आंदोलन करने होंगे। कुछ भी हो जाए, ओबीसी समाज के आरक्षण में हम हिस्सेदार नहीं आने देंगे, यह हमारी भूमिका होनी चाहिए। अगर हम पर अन्याय हुआ तो हम भी मुंबई में धड़केंगे, ऐसी चेतावनी उन्होंने दी। ओबीसी आरक्षण देने का अधिकार राज्य के मुख्यमंत्री का नहीं है, बल्कि वह पिछड़ा वर्ग आयोग का है। आगे उन्होंने कहा, जो कुणबी होंगे उन्हें कुणबी प्रमाणपत्र दिया जाए, यही हमारी भूमिका है। जो असली कुणबी होंगे उन्हें लाभ मिले, लेकिन सभी को ही सरसरी तौर पर कुणबी मानने का हमारा विरोध है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मराठा आरक्षण के लिए लिम्बागणेश में रास्ता रोको आंदोलन

बीड़, १ सितम्बर (प्रतिनिधि) : मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे २९ अगस्त से मुनिंचा में अनशन पर बैठे हैं। तीन दिन बीत जाने के बाद भी सरकार इस पर कोई ठोस निर्णय लेती दिखाई नहीं दे रही है। इसी कारण आंदोलन और उग्र होता जा रहा है। जरांगे पाटिल के अनशन को समर्थन देने के लिए बीड़ तालुका के अहमदपुर-अहमदनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मांजरसुंभा से पाटोदा के बीच, लिम्बागणेश में डॉ. गणेश ढवळे के नेतृत्व में सोमवार, १ सितम्बर की सुबह रास्ता रोको आंदोलन किया गया।

बहुजन समाज के बंधुओं ने जरांगे पाटिल के अनशन को खुला समर्थन दिया और मांगों को तुरंत मान्य करने की मांग की। आंदोलन के कारण कुछ समय के लिए राजमार्ग पर यातायात ठप हो गया था, हालांकि इस दौरान एंबुलेंस को

जाने के लिए रास्ता खाली कर दिया गया।

आंदोलनकारियों की ओर से ज्ञापन नेकनुर पुलिस स्टेशन के पुलिस उपनिरीक्षक पद्माकर आहेर, सहायक पुलिस लक्ष्मण बीडकर, बाबासाहेब राख, गोविंद बडे, पुलिसकर्मी प्रशांत क्षीरसागर, सतीश राऊत, अविनाश घुंगरट, विशाल क्षीरसागर, बाळासाहेब ढाकणे, विशाल कदम, और राजस्व प्रशासन के मंडल अधिकारी महादेव जायभाये, तलाठी गणपत पोतदार के माध्यम से जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक बीड़ को सौंपा गया।

इस अवसर पर सरपंच बालासाहेब जाधव, पिंपरनई के सरपंच बाळासाहेब वायभट, पोखरीघाट के सरपंच बाबासाहेब मुळीक, अंजनवती के सरपंच सुनील येडे, मेंगडेवाड़ी के ज्ञानेश्वर मेंगडे, प्रशांत कदम, राजेभाऊ गीरे, कल्याण वाणी, औदुंबर नाईकवाडे, सुंदरराव जाधव, पांडुरंग वाणी, गणपत तागड, समीर शेख, अशोक वाणी, अक्षय येडे, संजय घोलप, अजय थोरात आदि उपस्थित थे।

परली अत्याचार प्रकरण का आरोपी पांच घंटे में गिरफ्तार

परली वैजनाथ (प्रतिनिधि) : पंढरपुर से आए मज़दूर परिवार की केवल छह वर्षीय बच्ची के साथ ३१ अगस्त को परली रेलवे स्टेशन परिसर में अमानवीय यौन अत्याचार की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। इस घटना से शहर और ज़िले में खलबली मच गई है और समाज का मन आक्रोशित हो उठा है। घटना के केवल पांच घंटे के भीतर ही संभाजीनगर पुलिस ने २७ वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर भोजन कर विश्राम कर रहे परिवार की मासूम बच्ची को आरोपी बहला-फुसलाकर उड्डाण पुल की ओर ले गया और एक कंपाउंड के पास ले जाकर उसके साथ अमानवीय अत्याचार किया। खून से लथपथ अवस्था में उसे फिर से स्टेशन परिसर में छोड़कर आरोपी फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही परली संभाजीनगर पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। पुलिस निरीक्षक धनंजय ढोणे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश शिंदे घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक नवनीत कवत के निर्देशानुसार स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने सीसीटीवी और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को केवल पांच घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित बच्ची की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोपी का कृत्य रोंगटे खड़े कर देने वाला और बेहद घिनौना बताया गया है। इस घटना के विरोध में और आरोपी को फांसी देने की मांग को लेकर परली शहर में बैठक आयोजित की गई और ३ सितंबर को परली बंद का आह्वान किया गया है।

नागरिकों की दो प्रमुख मांगें हैं - (१) प्रकरण को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए और (२) आरोपी को तत्काल फांसी दी जाए। इन मांगों के लिए लोग सड़क पर उतरने वाले हैं।

इसी बीच, जानकारी सामने आई है कि घटना के बाद जब पीड़ित बच्ची की मां मदद के लिए आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) के पास पहुंची, तो आरपीएफ कर्मचारी ने उसकी फरियाद सुनने के बजाय उसे डांटकर स्टेशन से भगा देने की कोशिश की। इस वजह से रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं और संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है।

मासूमियत को कलंकित करने वाली इस अमानवीय घटना की हर तरफ कड़ी निंदा हो रही है और आरोपी को फांसी देने की मांग ज़ोर पकड़ रही है।

कथा एक आदर्श शिक्षक की प्रकाश का यात्री?

बीड संवाददाता

बीड़ ज़िले का गावराई गाँव। सुबह की पहली सुनहरी किरणें जब पहाड़ियों को चूमती हैं और खेतों पर हवा सुनहरे झूले झुलाती है, तभी इस धरती पर एक सपना जन्म लेता है- ज्ञान की ज्योति से दुनिया को रोशन करने का।

उस सपने का स्वामी था - मोहम्मद इलियास।

पहला कदम

२७ नवंबर २००३। यह दिन उनके जीवन का नया सूर्योदय था। शिक्षक के पवित्र पद पर कदम रखते ही उन्होंने मन में संकल्प लिया-

मैं केवल शिक्षक नहीं बनूँगा; मैं मार्गदर्शक बनूँगा, यात्री बनूँगा, प्रकाश का वाहक बनूँगा।

और तभी से उनका जीवन दीपक से मशाल बन गया।

शिक्षण एक उपासना

उनका हर दिन वज़ू, कुरआन पठान और आत्मा की पवित्रता से शुरू होता।

वे कहते:

वज़ू के बिना दिया गया ज्ञान सिर्फ़ शब्द होता है; लेकिन वज़ू के साथ दिया गया ज्ञान ही असली प्रकाश है।

सोलह साल तक कनिष्ठ व्याख्याता के रूप में उन्होंने एक पल भी व्यर्थ नहीं गंवाया। छुट्टियाँ उनके लिए मायने नहीं रखती थीं। दिवाली हो या गर्मियों की छुट्टी - वे हमेशा कक्षा की फ़ाइलें, विद्यार्थियों की कॉपियाँ, पेपर जाँच और रिकॉर्ड्स में व्यस्त रहते।

कक्षा से बाहर का ज्ञान

उनके लिए कक्षा एक मंदिर थी, लेकिन शिक्षा सिर्फ़ चार दीवारों तक सीमित नहीं थी।

वे विद्यार्थियों को थाने ले जाते और कहते:

यहाँ क़ानून की ताक़त है, कल तुम्हें अन्याय के खिलाफ खड़ा होना है।

वे अदालत में न्यायाधीशों के शब्दों से न्याय की शक्ति दिखाते।

शुगर फ़ैक्ट्री में पसीने से भीगे मज़दूरों को देखकर कहते:

जीवन किताबों में नहीं, इन पसीनों की बूँदों में छिपा है।

समाज के लिए समर्पित हाथ

उनका जीवन सिर्फ़ विद्यार्थियों तक सीमित नहीं था।

उन्होंने विधवाओं को सिलाई मशीनें देकर उनके घरों को सहारा दिया।

युवाओं को व्यवसाय का सामान देकर रोज़गार की राह दिखाई।

ब्याज-मुक्त बैंक बनाकर सौ शिक्षकों को एक करोड़ से अधिक का कर्ज़ उपलब्ध कराया।

अक़ाब रिलीफ़ फ़ाउंडेशन के माध्यम से हज़ारों बच्चों को शालेय साहित्य दिया। सर्दियों में बेसहारा लोगों को कंबल बाँटे। कई बच्चों की मेडिकल, इंजीनियरिंग, नर्सिंग और लॉ की फ़ीस ख़ुद अदा की।

वे कहते:

दूसरे के चेहरे पर आई मुस्कान- यही मेरी सच्ची कमाई है।

शांति के यात्री

उन्होंने -झउठ के ज़रिए लोगों को बुनियादी हक़ों की जागरूकता दी।

मुफ़्त कानूनी मदद उपलब्ध कराई।

सावित्री फ़ातिमा विचार मंच से गंगा-जमनी तहज़ीब का पैग़ाम फैलाया।

उनका अटूट विश्वास था-

ज्ञान हमें बुद्धि देता है, प्रेम हमें दिल देता है, और जब बुद्धि और दिल एक होते हैं, तब समाज में शांति बसती है।

प्रकृति के साथी

उन्होंने ग्रीन पीस एन्वायरनमेंट की स्थापना की।

वृक्षारोपण अभियान चलाए और युवाओं से कहा:

यह पेड़ सिर्फ़ छाँव के लिए नहीं, आने वाली पीढ़ियों की साँसों के लिए है।

भविष्य का मार्गदर्शन

वे विद्यार्थियों के शिक्षक ही नहीं, जीवनगुरु भी थे।

जौहर करियर गाइडेंस सेंटर से उन्होंने बच्चों को उच्च शिक्षा की राह दिखाई।

गैलेक्सी स्पोर्ट्स क्लब से खेलों की लगन जगाई।

जौहर पब्लिक लाइब्रेरी से पढ़ने की आदत को संस्कार बनाया।

वे कहते:

किताब ऐसा दोस्त है, जो कभी साथ नहीं छोड़ता।

अंत नहीं, एक नई शुरुआत

मोहम्मद इलियास सर का जीवन एक जीवंत विद्यालय है।

वे केवल शिक्षक नहीं, बल्कि प्रकाश के यात्री हैं।

थकना और रुकना उन्हें आता ही नहीं।

उनकी कहानी कहती है-

शिक्षक का जीवन केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता; वह समाज का शिल्पकार होता है।

यह केवल एक कथा नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और प्रेम से भरी आत्मा का प्रतिबिंब है।

इलियास सर कवि और साहित्यकार भी हैं। उनकी कविताओं में समाज की कुरीतियों पर व्यंग्य और उपहास के माध्यम से करारी चोट है, जो पाठकों के मन में नए विचार जगाती है।

यह कहानी बीड़ की मिट्टी से निकले एक सच्चे आदर्श शिक्षक की है, जिसने अपने जीवन से यह साबित किया कि शिक्षा केवल पेशा नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे बड़ी सेवा है।

क्या आप चाहेंगे कि मैं इस पर एक अख़बारी संपादकीय का छोटा संस्करण भी लिख दूँ, जो सीधे प्रकाशन योग्य हो?

आज़ाद मैदान में मराठा आरक्षण आंदोलन में गेवराई के सैय्यद रियाज़ ने खींचा मुंबईकरों का ध्यान

बीड, काज़ी अमान

मुंबई के आज़ाद मैदान पर संघर्षयोद्धा मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलन में गेवराई के युवा सामाजिक कार्यकर्ता सैय्यद रियाज़ शामिल हुए। उन्होंने जरांगे पाटिल, मुस्लिम समाज आपके साथ है ऐसी घोषणाएँ देकर आंदोलन को खुला समर्थन जताया।

इस दौरान उन्होंने हरे रंग की शर्ट, सफेद पैंट, सिर पर भगवा टोपी और कंधे पर भगवा अंगोछा धारण किया था, जिससे वे आंदोलनकारियों के साथ-साथ मुंबईकरों का भी विशेष ध्यान आकर्षित कर रहे थे।

इस अवसर पर उनके साथ बंडूसेठ मोटे, मोहन ठाकुर, अतीक कुरैशी, गणेश जगताप, इंद्रजीत चव्हाण आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से मन की बात कार्यक्रम के साथ नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सत्कार

मंत्री पंकजताईने कार्यकर्ताओं को मज़बूती दी-सलीम जहांगीर

बीड़ (प्रतिनिधि)

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के साथ-साथ बीड़ जिला भाजपा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सत्कार समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान कर उनके आगामी कार्यों के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। भाजपा नेत्री एवं मंत्री पंकजा मुंडे ने कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों पर अवसर देकर उन्हें मज़बूत बनाया है, यह भावना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर ने व्यक्त की।

बीड़ शहर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देविदास नागरगोजे, शहराध्यक्ष अशोक लोढ़ा,

हाजी नज़ीर और रफ़ीक कुरैशी उपस्थित थे। इस दौरान भाजपा जिला सरचिटणीस मीराताई गांधले, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष इर्शाद शेख, जिला सचिव शांतीनाथ डोरले का मान्यवरों की उपस्थिति में सत्कार कर उन्हें आगे के कार्यों के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के मार्गदर्शन में भाजपा नेत्री तथा पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने समाज के सभी वर्गों और धर्मों को साथ लेकर भाजपा की विचारधारा को जनता तक पहुँचाने का काम किया है। इसी कारण समाज का हर वर्ग भाजपा से जुड़ चुका है। मंत्री पंकजा मुंडे और पूर्व सांसद डॉ. प्रीतमताई मुंडे के आदेशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष शंकर देशमुख ने बीड़ ज़िले के साधारण और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाया है, यह भावना भी सलीम जहांगीर ने व्यक्त की।

आगामी समय में ज़िले के सभी पदाधिकारी मंत्री पंकजा मुंडे के पीछे मज़बूत ताक़त बनकर खड़े रहेंगे, ऐसा विश्वास भी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता नूर लाला ख़ान ने किया, जबकि कार्यक्रम की सफलता के लिए मोहम्मद सलीम आतार, शेख तकी, ग़फ़ूर शेख और सैयद जमील ने विशेष प्रयास किए।

मुंबई में अंतरधार्मिक नातिया मुशायरा

इस्लाम जिमखाना में प्रॉफ़ेट फ़ॉर ऑल मुहिम के तहत बंधु-जन कवियों की भागीदारी, आस्था और मोहब्बत से सराबोर महफ़िल - ग़ैर मुस्लिम कवियों के विचारों ने सभा को गरिमा प्रदान की

मुंबई, १ सितंबर

इस्लाम जिमखाना, मरीन लाइंस के सेलिब्रेशन हॉल में मुहम्मद ﷺ सबके लिए मुहिम के तहत एक भव्य नातिया मुशायरा आयोजित किया गया, जिसने अंतरधार्मिक भाईचारे और सद्भाव की एक उज्ज्वल मिसाल कायम की। इस मुशायरे में बंधु-जन कवियों ने अपने नातिया कलाम के ज़रिए इश्क़ और अकीदत की भावनाओं को आवाज़ दी।

महफ़िल की शुरुआत मशाहिद रिज़वी की तिलावत-ए-कुरआन और तौफ़ीक फ़ाख़री की हम्द से हुई। इंचार्ज फ़रीद अहमद ख़ान (अध्यक्ष उर्दू कारवां व सदस्य कोर कमेटी) ने इस मुशायरे के उद्देश्य और मक़सद बयान किए। उद्घाटन काव्य पाठ डॉ. क़ासिम इमाम ने प्रस्तुत किया।

इस पावन मुशायरे की अध्यक्षता प्रसिद्ध कवि डॉ. सागर त्रिपाठी ने की। उन्होंने नात प्रस्तुत करने से पूर्व कहा

कि प्रॉफ़ेट फ़ॉर ऑल की इस मुहिम से जुड़ना और लगातार चार वर्षों से इस मुशायरे में भाग लेना तथा अध्यक्षता करना मेरे लिए गर्व की बात है।

कार्यक्रम की सरपरस्ती एडवोकेट यूसुफ इब्राहानी (अध्यक्ष इस्लाम जिमखाना) ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मौलाना क़मर सुल्तानपुरी मौजूद रहे। जानी-मानी गायिका अनुष्का निकम ने उर्दू और मराठी दोनों भाषाओं में नातें पेश कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

शिरकत करने वाले कवियों में डॉ. लक्ष्मण शर्मा वाहित, उद्धव महाजन बस्मिल, अनंत नंदुरकर खलिश, हुक्मचंद कोठारी असगर, हीरालाल हीरा, उबैद आज़म आज़मी, इर्फ़ान जाफ़री, सुहैल अख़्तर वारसी, डॉ. क़मर सिद्दीकी, अज़हर हुसैन, रुस्तम इलाहाबादी और मशाहिद रिज़वी शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन शुऐब अब्जी और मोहसिन साहिल ने किया।

महफ़िल में ख़ुर्शीद सिद्दीकी, सर्फ़राज़ आरज़ू, निज़ामुद्दीन रायन, मुशीर अंसारी, वसीम शेख सर, तबस्सुम नाडकर और दुबई पुलिस के कैप्टन सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन फ़रीद अहमद ख़ान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ग़ैर मुस्लिम नातगो कवियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा-

डॉ. लक्ष्मण शर्मा वाहित: नात कहना हमारे लिए आस्था का इज़हार है। यह सिर्फ़ मज़हब नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव है जो हमें इंसानियत के क़रीब लाता है।

उद्धव महाजन बस्मिल: हज़रत मुहम्मद ﷺ का जीवनचरित इंसानियत के लिए रौशनी है। नात लिखते समय हमें आत्मिक शांति और आध्यात्मिक शक्ति का अनुभव होता है।

अनंत नंदुरकर खलिश: यह मुशायरा अंतरधार्मिक सौहार्द्र की वास्तविक मिसाल है। हम सबको एक-दूसरे के क़रीब लाने वाला जरिया केवल इश्क-ए-रसूल ﷺ है।

हुक्मचंद कोठारी असगर: नातिया शायरी ने हमें यह सिखाया है कि मज़हब से ऊपर इंसानियत है और मुहम्मद ﷺ की शिक्षाएँ उसी इंसानियत का पैग़ाम हैं।

इस आयोजन की व्यवस्था में कोर कमेटी के सदस्य डॉ. क़ासिम इमाम, डॉ. ज़ेबुन्निसा मलिक, सईद अहमद ख़ान, आमिर इदरीसी, मुहम्मद अली, फ़ारूक़ सैयद (गुल बूटा), मेहदी समर और अली भोजानी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

यद्यपि शहर मुंबई एक आंदोलन के कारण ठप था, फिर भी मुशायरा स्थल पूरी तरह भरा रहा। यह महफ़िल अपने संदेश-ए-मोहब्बत, अमन और अंतरधार्मिक सद्भाव के कारण न केवल लंबे समय तक याद रखी जाएगी, बल्कि मुंबई के साहित्यिक और सामाजिक परिदृश्य में एक स्वर्णिम स्मृति के रूप में दर्ज होगी।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com